e-paper : www.dailynewsactivist.com लखनऊ, शनिवार, 31 दिसंबर 2016, पौस मास शुक्ल पक्ष द्वितीया, संवत् 2073 विक्रमी

वर्ष-10, अंक-77, पृष्ठ-16, मूल्य- ₹ 4.00, आमंत्रण मूल्य- ₹ 3.00, नगर संस्करण

website : www.dnahindi.com

शब्द शब्द संघर्ष

RNI NO.: UPHIN/2007/41982

डाक पंजीयन : एसएसपी/एल.डब्लू./एन.पी.-358/2016-18

संस्करण : लखनऊ ■ इलाहाबाद ■ वाराणसी ■ फैजाबाद ■ कानपुर

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

डेली न्यूज़ ऐक्टिविस्ट

वर्तमान जलवायु की अप्रत्याशित घटनाएं

● डॉ. भरत राज सिंह

brsinghlko@yahoo.com

ये सुनकर आप को अजीब सा लगेगा कि दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान, बर्फिस्तान बन गया है। यह बात सहारा मरुस्थल की है, जिसे देखकर मौसम विज्ञानियों के भी पसीने छूट रहे हैं। इस विशाल रेगिस्तान में चारों तरफ बर्फही बर्फ जम गई है। अब सऊदी अरब जो रेगिस्तान में बसा है, जहां बूंद-बूंद पानी के लिए मीलों सफर करना पड़ता है। वहां ऐसी बर्फबारी हुई कि पहाड़ के पहाड़ सफेद हो गए। सड़कों पर बर्फ का अंबार लग गया, ऐसा कैसे हो गया। उधर रूस का सबसे ठंडा इलाका साइबेरिया, जहां साल भर बर्फ रहती है, लेकिन इस बार आसमान से ऐसी बर्फबारी हुई कि 83 सालों का रिकॉर्ड टूट गया। पारा माइनस 62 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आखिर ऐसे बदलाव की वजह क्या है। दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान क्यों और कैसे बन गया बर्फिस्तान। धरती पर अबतक का सबसे बड़ा बर्फ घोटाला हुआ है। एक ऐसा बर्फ घोटाला, जिसने पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ा संकट खड़ा कर दिया है। हम इसे बर्फ घोटाला इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि धरती पर हवा और पानी की तरह बर्फ भी बेहिसाब है। इतना ज्यादा, जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते, पर कुदरत की ये अनमोल संपदा लगातार समाप्त होती जा रही है। क्या है ये बर्फ घोटाला, कौन है इसका जिम्मेदार। ये सिर्फ एक कयास नहीं दुनिया के लिए अब तक की सबसे खतरनाक चेतावनी है। एक ऐसी चेतावनी, जिसे नजरअंदाज करना इस धरती के लिए महाविनाश की वजह बन सकता है। सर्दियों का मौसम हमेशा के लिए गायब हो जाएगा और ये धरती किसी रेगिस्तान की तरह झुलसने लगेगी। इसका मकसद डराना नहीं, बल्कि आगाह करना है। कुदरत की सबसे बड़ी अनहोनी से बचाना है। क्योंकि धरती के सबसे बड़े बर्फिस्तान में जो महासंकट आया है, उसकी मार से दुनिया में कोई नहीं बच पाएगा। क्या है ये महासंकट और इससे दुनिया को कितना बड़ा खतरा है, जो इस धरती पर मंडरा रहे उस महासंकट का सबसे बड़ा सबूत है, जिसने हिंदुस्तान से लेकर अमेरिका तक सबके होश उड़ा दिए हैं। यह अंतरिक्ष से ली गई सैटेलाइट इमेज है।

वहीं, आर्कटिक जिसे हम उत्तरी ध्रुव के नाम से जानते हैं, जहां सालों पर बर्फ का बसेरा रहता है, इतनी ज्यादा बर्फ जमी कि उसमें पूरी धरती समा सकती है। पर उस आर्कटिक सागर की अब क्या हालत हो गई है। ये तस्वीरें दुनिया के सबसे बड़ी स्पेस एजेंसी नासा ने धरती से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष से ली हैं। ये भयानक हलचल उसी आर्कटिक जोन में हो रही है। जिसे धरती का सबसे बड़ा बर्फिस्तान यानी आर्कटिक समुद्र कहते हैं। सफेद-सफेद सी दिख रही ये चीज दरअसल बर्फ की वो मोटी चादर है, जो पानी-पानी होकर महासागरों में विलीन होती जा रही है। कहने का मतलब ये कि धरती पर मौजूद बर्फ का सबसे बड़ा भंडार यानी ग्लेशियर की मोटी-मोटी चट्टानें अब खत्म होने की कगार पर पहुंच गई हैं। जिसके चलते पूरी दुनिया के वजूद पर संकट खड़ा हो गया है। कैसे वो इस सैटेलाइट इमेज से समझिए, नॉर्थ पोल पर पिघल रही बर्फ किस तरह दुनिया के महासागरों को और ज्यादा भरती जा रही है। कुछ इस तरह, इसकी जद में दुनिया के करीब तमाम देश हैं, हिंदुस्तान भी अछूता नहीं रहेगा।